हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

(हिन्दी)

हिन्दी विषय का यू.जी.सी. मॉडल पर आधारित पाठ्यक्रम

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम
सत्र (सेमिस्टर) पद्धति
प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सत्र

(जून - २०११ से कार्यान्वित)

(पृष्ठ संख्या - १ से ६१ तक)

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष : २०११ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-१	सामान्य स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी, जीवनी)	HC101	
प्रश्नपत्र-२	विशेष स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (तुलसीदास-रामचरित मानस, अयोध्याकांड, सूरदास-भ्रमरगीत सार)	HC102	
प्रश्नपत्र-३	विशेष स्तर : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	HC103	
प्रश्नपत्र-४	विशेष स्तर : वैकल्पिक विशेष साहित्यकार		
	अ) कबीर	HEC104	
	आ) प्रेमचंद - गोदान, प्रेमचंद - प्रतिनिधि कहानियाँ	HEC105	
	इ) नाटककार मोहन राकेश	HEC106	
प्रश्नपत्र-५	इन्टर डीसीप्लीनरी कोर्स		
	अ) Health and Wellness	HIDC107	
	आ) Rural Development in India	HIDC108	

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-६	सामान्य स्तर : आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विद्याएँ (नाटक, निबंध)	HC201	
प्रश्नपत्र-७	विशेष स्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य संक्षिप्त बिहारी तथा मीरा पदावली	HC202	
प्रश्नपत्र-८	विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सिद्धांत और वाद	HC203	
प्रश्नपत्र-९	विशेष स्तर : वैकल्पिक : विशेष विधा तथा अन्य		
	क) हिंदी उपन्यास	HEC204	
	ख) दृश्य-श्राव्य-माध्यम लेखन	HEC205	
	ग) दलित साहित्य	HEC206	
प्रश्नपत्र-१०	इन्टर डीसीप्लीनरी कोर्स		
	अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC207	
	आ) Self Awarness and Personality	HIDC208	

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष : २०१२ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-११	सामान्यस्तर : आधुनिक काव्य - I महाकाव्य, दीर्घकविता, काव्यनाटक	HC301	
प्रश्नपत्र-१२	विशेषस्तर : सैद्धांतिक भाषाविज्ञान	HC302	
प्रश्नपत्र-१३	विशेषस्तर : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	HC303	
प्रश्नपत्र-१४	विशेषस्तर : वैकल्पिक		
	(अ) अनुवाद विज्ञान	HEC304	
	(आ) आधुनिक हिन्दी आलोचना	HEC305	
	(इ) जनसंचार माध्यम और हिन्दी	HEC306	
प्रश्नपत्र-१५	इन्टर डिसीप्लीनरी कोर्स		
	(अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC307	
	आ) Communication Skills	HIDC308	

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-१६	सामान्यस्तर : आधुनिक काव्य - II गीतिकाव्य, विशेषकवि, नईकविता	HC401	
प्रश्नपत्र-१७	विशेषस्तर : हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकास	HC402	
प्रश्नपत्र-१८	विशेषस्तर : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास	HC403	
प्रश्नपत्र-१९	विशेषस्तर : वैकल्पिक		
	भारतीय साहित्य	HEC404	
	लोकसाहित्य	HEC405	
	हिन्दी पत्रकारिता	HEC406	
प्रश्नपत्र-२०	इन्टर डिसीप्लीनरी कोर्स		
	(अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC407	
	आ) Social Problems	HIDC408	

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र - शैक्षणिक वर्ष - २०११ से लागू

प्रश्नपत्र-१ सामान्य स्तर : आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

(उपन्यास, कहानी तथा जीवनी)

(१) **उपन्यास** : पचपन खम्भे लाल दिवारें - उषा प्रियंवदा, राजकमल प्रका. दिल्ली

(२) **कहानी** : मेरी प्रिय कहानिर्या - मन्नू भंडारी, राजकमल प्रका. दिल्ली

(३) **जीवनी** : आवारामसीहा - विष्णु प्रभाकर, राजकमल प्रका. दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

ससन्दर्भ व्याख्या का प्रश्न अनिवार्य होगा।

प्रश्न-१ ससंदर्भ व्याख्या - ६ × ३ = १८

(क) उपन्यास अथवा उपन्यास

(ख) कहानी अथवा कहानी

(ग) जीवनी अथवा जीवनी

प्रश्न-२ पच्चपन खम्भे लाल दिवारें पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा पच्चपन खम्भे लाल दिवारें पर दीर्घोत्तरी प्रश्न । १४

प्रश्न-३ मेरी प्रिय कहानियाँ पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा मेरी प्रिय कहानियाँ पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। १४

प्रश्न-४ जीवन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा जीवनी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। १४

प्रश्न-५ अति लघुत्तरी प्रश्न। (तीनों रचनाओं में से) १०

:: संदर्भ ::

१. उषा प्रियंवदा के उपन्यासों में नारी-भावना नमन प्रका. दिल्ली, डॉ. अनिता शर्मा

२. उषा प्रियंवदा के उपन्यासों में सामाजिक चेतना, श्रीमती कल्पना राठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

३. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष, संपा. रामदरश मिश्र

४. हिन्दी उपन्यास : स्वरूप और विकास-हरपालसिंह 'अरूष', राजकमल प्रका., दिल्ली ।

५. हिन्दी कहानी और कहानीकार, प्रो. वासुदेव, वाणीविहार, वाराणसी।

६. कहानी और कहानीकार, डॉ. सुमनकुमार सुमन, सूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली।

७. हिन्दी कहानी अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

८. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर।

९. रामदरश मिश्र के उपन्यासों में ग्राम्य समाज जीवन, अनिता एच. भट्ट, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर।

प्रश्नपत्र - २

विशेष स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य

(विद्यापति तथा सूरदास)

(१) तुलसीदास - रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड)

प्रका. लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद-१

(२) सूरदास : भ्रमरगीतसार - आ. रामचन्द्र शूक्ल

पद संख्या - २५

४, ६, ८, ९, ११, १६, १८, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, ३१, ३४, ३९, ४१, ४२, ४५, ५०, ५७, ६१, ६४, ७५, = २५ पद

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

१. ससंदर्भ व्याख्या -

विद्यापति अथवा विद्यापति - ९ × २ = १८

सूरदास अथवा सूरदास

२. विद्यापति अथवा विद्यापति दीर्घोत्तरी प्रश्न - १४

३. सूरदास अथवा सूरदास दीर्घोत्तरी प्रश्न - १४

४. विद्यापति अथवा सूरदास दीर्घोत्तरी प्रश्न - १४

५. अति लघुत्तरी प्रश्न - दोनो में से - १०

:: संदर्भ ::

१. सूरदास : आ. रामचन्द्र शुक्ल, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।

२. सूर मीमांसा : डॉ. व्रजेश्वर वर्मा, ओरिएन्टल बुकड़िया, दिल्ली।

३. सूर साहित्य : आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

४. सूर का काव्य वैभव : मुन्शीराम शर्मा, प्रकाशन ग्रंथम् कानपुर।

५. भ्रमरगीत का काव्य सौन्दर्य : सत्येन्द्र पारीक सुशील प्रकाशन, अजमेर।

६. सूर की भाव-साधना, डॉ. नरेन्द्रसिंह परैजदार, गिरनार प्रकाशन, महेसाना।

७. विद्यापति : डॉ. विजयपालसिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

प्रश्नपत्र - ३

विशेष स्तर : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र :

काव्य-लक्षण, काव्यहेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार-सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारो का वर्गीकरण।

रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।

ध्वनि-सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद गुणीभूत-व्यंग्य, चित्र-काव्य

औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

(ख) हिन्दी कवि आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिन्तन : लक्षण-काव्य-परम्परा एवं कवि शिक्षण।

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

विभाग (क) में से तीन वैकल्पिक प्रश्न	१५ × ३ = ४५
विभाग (ख) अथवा विभाग (ग) वैकल्पिक प्रश्न	१५
तीनों विभाग में से लघुत्तरी प्रश्न।	१०

:: संदर्भ ::

१. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिकसिंग हाउस, दिल्ली।

२. भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

३. रस सिद्धान्त : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

४. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

५. रस सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण-आनंद दीक्षित, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

६. भारतीय समीक्षा सिद्धान्त : सूर्यनारायण द्विवेदी, संजयबुक सेन्टर, वाराणसी।

७. भारतीय काव्य सिद्धान्त : डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड क्वालिटी बुक्स, कानपुर।

प्रश्नपत्र - ४

विशेष स्तर : वैकल्पिक विशेष साहित्यकार

(अ) कबीर - आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(ब) तुलसीदास - रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड) समग्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

(क) नाटककार मोहन राकेश-लहरों के राजहंस, आधे अधूरे, आषाढ़ का एक दिन

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

ससंदर्भ व्याख्या	६ × ३ = १८
वैकल्पिक दीर्घोत्तरी प्रश्न	१४ × ३ = ४२
लघुत्तरी प्रश्न	१ × १० = १०

:: संदर्भ ::

१. कबीर विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत साहित्य निकेतन, कानपुर।

२. कबीर साहित्य की परख - आ.परशुराम चर्तुवेदी, भारती भंडार, लीडर प्रेस इलाहाबाद।

३. कबीर साहित्य चिन्तन : आ.परशुराम चर्तुवेदी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।

४. संत कबीर : एक यथार्थ मूलक मूल्यांकन, डॉ. लक्ष्मीदत्त बी. पंड़ित, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

५. तुलसी : संपा. उदयभानुसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

६. तुलसी : चिन्तन और कला - इन्द्रनाथ मदान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।

७. रामचरितमानस का सौन्दर्य तत्व, डॉ. कविश्वर ठाकुर, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

८. महाकवि तुलसी रचित कवितावली (सटीक) पं. चन्द्रशेखर शास्त्री, साहित्य भवन, प्रा.लि. इलाहाबाद।

९. आज का हिन्दी नाटक : प्रगति और प्रभाव-डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।

१०. नाटककार मोहन राकेश डॉ. सुषमा अग्रवाल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

११. आधुनिकता और मोहन राकेश, डॉ. उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

१२. मोहन राकेश का नारी संसार श्रीमती पिंपलापुरे, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

SEMISTER-I

प्रश्नपत्र - ५ (अ)

Inter Disciplinary Course : (Any One)

Paper No. 107 (Information Technology and Data Analysis)

1. **Main Objectives:**
   - The first foremost objective of the course is to familiarize student with the innovation in IT and it can be used in research work of social science.
2. **The Scheme of question paper:**
   - The paper will consist four units.
   - Total Marks are: 100

     70: External Examination

     30: Internal Evaluation

     10 Marks: Internal Examination

     10 Marks: Seminar, Presentation, Assignment.

     10 Marks: Practical, Book Review, Field Work. Quiz, and Research Report.

❖ **Unit-1 Introduction to Computers:**

- Definition, Characteristics and classification of Computers.
- History of Computers.
- Applications of computer at Various Level in general and in Economics Particular.
- Block Diagram of Computer.
- Parts of a Standalone computer (With Reference to a PC only) i. CPU, FDD, HDD, keyboard, mouse, VDU, Memories.
- Networking concepts: LAN, WAN, MAN.
- What is hardware & software?
- Type of software.

❖ **Unit-2 Introduction to Windows XP:**

- What is an operating system?
- Popular operating systems for PCS.
- Introduction to windows XP.
- Desk top and its parts.
- Options of start menu.
- Introduction to windows explorer.

i. Parts, creating a Folder, Deleting a file, deleting a folder. Copying and moving file and folder.

❖ **Unit-3 Introduction to Word 2007:**

- What is word processing?
- Advantages of word processing.
- Starting word 2007 and its parts.
- Basic operations on a document.

  Typing, saving, printing, print preview, opening, closing a document and saving a document with new name.
- Editing a document.
- Move and copy text
- Formatting text and paragraph.
- Finding and replacing a text.
- Checking spelling and grammar.
- Auto correct and auto text.
- Opening and closing toolbars.

❖ **Unit-4 Advance features of Word 2007:**

- Using Tabs
- Enhancing a documents.

  i. Oage set - up, page break, header and footer, zoom, changing case, print options, and print preview.
- Tables using multiple columns, format painter, auto format.
- Graphics and word art.
- Mail merge.

❖ **References:**

1. Personal computer, windows 98 and Microsoft office 2000 Antani Hemang and Shah Keyur, TMH.
2. PC software for windows 98 mad simple, Taxali R. K., TMH.

प्रश्नपत्र - ५ (आ)

Paper No. 108 (Health and Wellness)

1. Main Objectives:

- To impart knowledge about Health Fitness and Yoga
- To make student understand the nature and cause or various Diseases.
- To make the student Familiar with Various Yogic Processes.

2. The Scheme of question paper:

- The paper will consist four units.
- Total Marks are: 100

  70: External Examination

  30: Internal Evaluation

  10 Marks: Internal Examination

  10 Marks: Seminar, Presentation, Assignment.

  10 Marks: Practical, Book Review, Field Work.

  Quiz, and Research Report.

❖ **Unit-1 Introduction:**

- Health, Physical Fitness, wellness.
- Component of Physical Fitness.
- Type of Physical Fitness.
- Activities for Development of Physical Fitness.
- Exercise Physiology.
- Function of Anatomy and Biomechanics.
- Components & Assessment.
- Activities and Safe Heart Rate.
- To make the student Familiar with Various Yogic Processes.
- Unit-2 Hypo Kinetic/Life Style Disease and Management:
- Obesity, Hypertension, Diabetes, ………., Depression, Memory, Phobia.
- Male Reproductive Disorders.
- Asthma, Addiction, Backache.

❖ **Unit-3 Yoga, Suryanamskar and its Effects of Human Body/ Alternative Therapy for Health and Wellness/Nutrition:**

- Astangyog
- Naturopathy, Acupressure Aryuved and other.
- The Balanced Diet.

- Principal of weight Control.
- Physiology of weight Loss.
- Basic First Aid & Cardiac Life Support (CPR).
- Unit-4 Practice, Education Tour And Project:
- Introduction, Prayers, Mantra, Bhavgeet.
- Loosening Exercises Program.
- Kriyas.
- Yogasan, Suryanamskar.
- Pranayam, Meditation.
- Bandh and Mantras.
- Health care Card.

❖ **References:**

1. Dr. P.M. Kasundra & K.R. Patel, Physical Fitness and Wellness, Roma Prakashan, Gandhinagar, (Gujarat).
2. Swami Rajashi Muni, Yog Darshika 1 to 4 Life Mission, Vadodara (Gujarati, English).
3. Swami Adhyatmanand, Yoga & Health, Gujarat Gramha Ratna Karyalay, A'bad (Gujarati, English)
4. Yoga, Asan, Pranayam, Mudra Krya, Vivekanand Kendra A'bad (Gujarati, English).
5. Suryanamaskar, Yoga Publication Trust Munger, Bihar (Hindi, English).
6. Dr. Nagendrakumar Niraj, Prakrutik Chikitsa Avam Yoga, Maa Sita Samti Swasthya Prakashan Mala, Jaypur-20 (Hindi).
7. Dr. Mukund Meheta, Fitness, Ahmedabad.

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष : २०१० से कार्यान्वित)

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र-६ सामान्य स्तर : आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ।

(नाटक, निबन्ध)

(१) कथा एक कंस की दयाप्रकाश सिन्हा, राधाकृष्ण प्रका. दिल्ली।

(२) स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

(३) ग्यारह निबंध - सुदर्शन मजेठिया संपा. आराधना प्रका. दिल्ली-३१।

१. धोखा ३. मजदूरी और प्रेम

४. क्रोध ६. घुमक्कड़ धर्म

८. शिरीष के फूल ९. गेहूं बनाम गुलाम (कुल ६ निबंध)

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

१.	कथा एक कंस की अथवा कथा एक कंस की दीर्घोत्तरी प्रश्न	१४ × ३ = ४२
२.	स्कन्दगुप्त अथवा स्कन्दगुप्त दीर्घोत्तरी प्रश्न	
३.	निबन्ध सौरभ अथवा निबन्ध सौरभ दीर्घोत्तरी प्रश्न	
४.	टिप्पणी तीनो रचनाओं में से वैकल्पिक	६ × ३ = १८
५.	अति लघुत्तरी प्रश्न	१० × १ = १०

:: संदर्भ ::

१. हिन्दी रंगकर्म : दशा और दिशा : डॉ. जयदेव तनेजा तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

२. आधुनिक हिन्दी नाटक : भाषिक और संवादीय संरचना, डॉ. गोविद चातक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

३. हिन्दी नाटक : रंगशिल्प दर्शन - विकल्प गौतम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

४. प्रसाद के नाटक : डॉ. सिद्धनाथकुमार, प्रकाशन दि मैकमिलन ऑफ इन्डिया, दिल्ली।

५. नाटककार जयशंकर प्रसाद : संपा. सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

६. प्रसाद के नाटक : डॉ. सिद्धनाथकुमार, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद।

७. प्रसाद के नाटक रचना और प्रक्रिया, डॉ. जगदीश प्रसाद श्री वास्तव, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

८. हिन्दी निबन्ध का इतिहास, डॉ. मृत्युंजय उपाध्याय तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

९. हिन्दी निबन्ध के आधार स्तंभ, प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

१०. प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार : प्रो. हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

प्रश्नपत्र-७ विशेष स्तर : मध्ययुगीन हिन्दी काव्य

(१) बिहारी : संक्षिप्त बिहारी - श्री रमाशंकर प्रसाद, इन्डियन प्रेस, प्राइवेट लि. प्रयाग निम्नांकित ५० दोहे

१, २, ३, ४ , ५, ६, ७, ८, ९, १०, १४, १५, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २७, २८, २९, ३२, ३३, ३५, ३६, ३८, ३९, ४०, ४२, ४४, ४६, ५१, ५३, ५४, ५७, ६०, ६२, ६४, ६५, ६६, ६७, ७२, ७४, ७६, ७८, ८०, ८१, ९१, ९५ = ५० दोहे

(२) मीराबाई की पदावली : संपा. आ. परशुराम चतुर्वेदी, प्रका. हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, निम्नांकित २५ पद

१, ३, ५, ८, ११, १४, १६, १९, २१, २४, २५, २९, ३३, ३७, ३९, ४१, ४४, ४६, ४९, ५२, ५४, ५७, ६०, ६१, ६२ = २५ पद

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

ससंदर्भ व्याख्या	९ × २ = १८
बिहारी अथवा बिहारी दीर्घोत्तरी प्रश्न	१४
जायसी अथवा जायसी दीर्घोत्तरी प्रश्न	१४
बिहारी अथवा जायसी दीर्घोत्तरी प्रश्न	१४
अति लघुत्तरी प्रश्न	१० × १ = १०

:: संदर्भ ::

१. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन वाराणसी।

२. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चनसिंह, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

३. बिहारी और उनकी सतसई : डॉ. श्री राम शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

४. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी : डॉ. रामसागर त्रिपाठी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

५. सुरदास : आ. रामचन्द्र शुक्ल, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।

६. सुर साहित्य : आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

७. भ्रमर गीत का काव्य सौंदर्य : सत्येन्द्र पारेख सुशील प्रकाशन, अजमेर।

प्रश्नपत्र-८ विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सिद्धान्त और वाद

(क) प्लेटो : काव्य सिद्धान्त।

अरस्तु : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासद-विवेचन।

लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

वर्ड्स वर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धान्त।

कॉलरिज : कल्पना-सिद्धान्त और ललित-कल्पना।

टी.एस. इलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

आई.ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगो का संतुलन व्यवहारिक आलोचना।

(ख) सिद्धान्त और वाद :

आभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

(क)	में से तीन प्रश्न वैकल्पिक	१४ × ३ = ४२
(ख)	में से एक वैकल्पिक प्रश्न	१४ × १ = १४
(ग)	दोनो विभाग में से अतिलघुत्तरी प्रश्नो	७ × २ = १४
		७०

:: संदर्भ ::

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

२. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन : निर्मला जैन, कुसुम बांध्या, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

३. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली।

४. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त : केसरी नारायण शुक्ल नंद किशोर एण्ड सन्स, वाराणसी।

५. काव्य में उदात्त तत्त्व : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली।

६. इलियट का काव्यशास्त्र : ओमप्रकाश अवस्थी, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र-९ विशेष स्तर : विशेष वैकल्पिक विधा तथा अन्य

(क) हिन्दी उपन्यास :

पाठ्य विषय :

उपन्यास का स्वरूप, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, हिन्दी उपन्यास की प्रमुख शैलियाँ, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तु शिल्पगत वैशिष्ट्य।

व्याख्या एवं विवेचना के लिए तीन औपन्यासिक कृतियों का अध्ययन अपेक्षित है।

(१) रंगभूमि-प्रेमचंद - प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-१

(२) बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद द्विवेदी

(३) दौड़ - ममता कालिया - प्रका. वाणीप्रकाशन, दिल्ली।

:: संदर्भ ::

१. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : सं. रामदरश मिश्र, प्र. गिरनार प्रकाशन, महेसाना। (उ. गुजरात)

२. हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति : डॉ. चंद्रकांत बांदिवड़ेकर, प्र. पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।

३. अद्यतन हिन्दी उपन्यास : डॉ. बिन्दु भट्ट, प्र. पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद।

४. समकालीन हिन्दी उपन्यास : विवेकीराय, प्र. राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद।

५. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास - विविध प्रयोग : डॉ. कुसुम शर्मा, प्र. श्याम प्रकाशन, जयपुर।

६. हिन्दी उपन्यास - समकालीन विमर्श : डॉ. सत्येदव त्रिपाठी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२ ।

७. आधुनिक हिन्दी उपन्यास - दार्शनिक चेतना : ले. श्री राम शर्मा ।

८. हिन्दी उपन्यास-पहचान और परख : सं. इन्द्रनाथ मदान, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२ ।

९. उपन्यास शिल्प और प्रवृत्तियाँ : सुरेश सिन्हा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२ ।

१०. हिन्दी उपन्यास विवेचन : सत्येन्द्र, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२

११. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास बदलते सामाजिक प्ररिप्रेक्ष्य में : उमेशप्रसाद सिंह, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२ ।

१२. हिन्दी उपन्यास - उपलब्धियाँ-लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

१३. हिन्दी उपन्यास - उद्भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा

१४. हिन्दी उपन्यास - डॉ. सुषमा धवन, प्र. रामकमल प्रकाशन, दिल्ली

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

१ ससंदर्भ व्याख्या	६ × ३ = १८ अंक
२ आलोचनात्मक प्रश्न	१४ × ३ = ४२ अंक
३ लघूत्तरी प्रश्न	१ × १० = १० अंक
	७०

अथवा

प्रश्नपत्र-९ दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन :

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रोनिक मीड़िया की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गई है। हिन्दी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है जब इन दृश्य-श्रव्य माध्यमों से संबंधित विद्याओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारपरक है।

⇨ माध्यमोंपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।

⇨ हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

⇨ रेडियो नाटक की प्रविधि।

⇨ रंग नाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अंतर।

⇨ रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्युमेन्ट्री फीचर)।

⇨ टी.वी. नाटक की तकनीक। टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य-वैषम्य। संचार माध्यम के अन्य विविध रूप।

⇨ साहित्यिक विद्याओं की दृश्य-श्रव्य रूपांतरण-कला। इलैक्ट्रोनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।

⇨ संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा।

⇨ विज्ञान फिल्मों की प्रविधि।

⇨ संचार माध्यमों की भाषा।

⇨ हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

:: संदर्भ ::

१. रंग परंपरा - नैमिचंद्र जैन, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-१।

२. दृश्य-अदृश्य - नैमिचंद्र जैन, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-१।

३. आधुनिक विज्ञापन - प्रेमचंद पांतजलि, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-१।

४. रंगकर्म और मीडिया - डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, १३/४७६१, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-१

५. पटकथा लेखन : फिचर फिल्म - उमेश राठौर, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

६. हिन्दी नाटक का विकास - डॉ. गोविंद चातक, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

७. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

८. आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क - डॉ. ताहेश भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

९. हिन्दी नाटक आज-कल - डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

१०. संपूर्ण रंग नाटक - डॉ. गोविंद चातक, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

११. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

१२. विज्ञान संचार - डॉ. मनोज पटैरिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

१३. हिन्दी रंगमंच : दशा और दिशा - डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

१४. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग - ले. कृष्णकुमार रत्तू, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३, कूचा चेलान, दरियागंज, नई दिल्ली-२।

१५. हिन्दी नाट्यकला और रेडियो नाटक - राधेश्याम वाजपेयी, प्र. भारतीय ग्रथ निकेतन, नई दिल्ली-२।

१६. भाषायी पत्रकारिता और जनसंचार - विष्णु पंकज, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२।

१७. जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व - संपादन : त्रिभुवन राय, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२।

१८. संचार माध्यमों के लिए विज्ञान कथा - राजीव रंजन उपाध्याय तथा अरविंद मिश्र, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२।

१९. संचार क्रांति और हिन्दी पत्रकारिता - अशोककुमार शर्मा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली-२।

२०. सिनेमा के बारे में जावेद अख्तर/नसरीन मुन्नी कबीर, प्र. रामकमल प्रकाशन, प्रा.ली., १/बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-१।

२१. टेलिविज़न लेखन - असगर वजाहत/प्रभात रजन, प्र. राधाकृष्ण, प्रा.लि., बी.-१७, जगतपुरी, दिल्ली-५१।

२२. रेडियो नाटक की कला - डॉ. सिद्धनाथ कुमार प्र. तथा प्रका. दिल्ली-५१।

२३, रेडियो वार्ता शिल्प - डॉ. सिद्धनाथ कुमार, प्र. तथा प्रका. दिल्ली-५१।

२४. जनसंचार : विविध आयाम - ब्रजमोहन गुप्त, प्र. तथा प्रका., दिल्ली-५१।

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

वैकल्पिक आलोचनात्मक प्रश्न-४	१४ × ४ = ५६
टिप्पणी - तीन में से दो	७ × २ = १४
	७०

अथवा

प्रश्नपत्र-९ दलित साहित्य :

युनिट-१ दलित लेखन अवधारणा एवं इतिहास ।

युनिट-२ दोहरा अभिशाप, विश्लेषण एवं अध्ययन, कौशल्या-वै-किताबघर, दिल्ली।

युनिट-३ झूठन, ओमप्रकाश वाल्मिकी, विश्लेषण एवं अध्ययन-राधाकृष्ण प्रका. दिल्ली।

युनिट-४ दलित सौंदर्य शास्त्र

युनिट-५ केन्द्रवर्ती साहित्य एवं दलित साहित्य-तुलनात्मक अध्ययन

:: संदर्भ ::

१. आधुनिक साहित्य में दलित चेतना, सम्पा. देवेन्द्र चौवे-ओरिएन्ट बुकडिया - दिल्ली।

२. दलित साहित्य स्वरूप और संवेदनाएँ, सूर्यनारायण रणसूबे- अमित प्रका. गाजियाबाद।

३. दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार-रमणिका गुप्ता, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा।

४. साहित्यविचार : डॉ. अर्जुन के तड़वी - ज्ञान प्रकाशन, कानपुर।

५. भारतीय साहित्य एवं दलित चेतना : संपा. डॉ. धनंजय चौहाण एवं डॉ. धीरज वणकर, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर।

६. दलित साहित्य की भूमिका : डॉ. हरपाल सिंह 'अरूष' जवाहर पुस्तकालय, मथुरा।

७. दलित चेतना और हिन्दी उपन्यास : डॉ. एन. एस. परमार - चिन्तन प्रकाशन, कानपुर।

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

वैकल्पिक आलोचनात्मक प्रश्न-५ १४ × ५ = ७०

SEMISTER-II

प्रश्नपत्र - १० (अ)

Inter Disciplinary Course : (Any One)

Paper No. 207 (Information Technology and Data Analysis)

1. **Main Objectives:**
2. **The Scheme of question paper:**
    - The paper will consist four units.
    - Total Marks are: 100

        70: External Examination

        30: Internal Evaluation

        10 Marks: Internal Examination

            10 Marks: Seminar, Presentation, Assignment.

            10 Marks: Practical, Book Review, Field Work.

                Quiz, and Research Report.

❖ **Unit-1 Introduction to Excel 2007:**

- What are an electronic worksheet and its advantage?
- Starting Excel and Excel Screen.
- Entering Value Text and Formulas.
- Advantages of using Formula.
- Concept of Cell, Range, Worksheet and Workbook.
- Saving, Closing, Opening a workbook.
- Creating a New worksheet
- Moving and Copping data.
- Doing and Undoing Actions.
- Inserting and Deleting Columns and rows.
- Formatting Worksheet.
- Changing column Width.
- Printing the worksheet.
- Setting a page and margins and defining header and footer.

❖ **Unit-2 Advanced Features of Excel 2007:**

- Creating a charts.
- Using data and Time.

- Functions.

  Average, count, max, min, Stdev, Var, Sum, Abs, dmt, Log, Mod, Round, Sqnt, Auto sum, Fv & Pv. If.
- Using Database functions:

  DMAX, DAVERAGE, DCOUNT, DMAX, DMIN, DUM, DVAR.

❖ **Unit-3 MS Power Point 2007 (Basics):**

- What is power point?
- Creating a presentation.
- Power point views and running a slide show.
- Editing presentation.
- Editing Text including Data.
- Printing a presentation.
- Unit-4 MS Power Point 2007 (Advanced):
- Customizing your presentation.
- Slid Show
- Working with slide object.
- Editing Drawing Object.
- Editing Line Attributes.
- Changing Font Attributes.
- Moving and Coping Objects.
- Manipulating Objects.
- Showing the presentation.
- Enhancing your slide show.
- Animation and transitions.
- Music, Sound and videos.

❖ **References:**

1. Personal computer, windows 98 and Microsoft office 2000 Antani Heemand and Shah Keyur, TMH.
2. PC software for windows 98 and simple, Taxali R. K., TMH.

प्रश्नपत्र - १० (आ)

Paper No. 208 (Self awareness and Personality)

1. **Main Objectives:**
2. **The Scheme of question paper:**
   - The paper will consist four units.
   - Total Marks are: 100

     70: External Examination

     30: Internal Evaluation

     10 Marks: Internal Examination

       10 Marks: Seminar, Presentation, Assignment.

       10 Marks: Book Review, Field Work.Quiz, and Research Report.

❖ **Unit-1 Introduction:**

- What is self awareness?
- What is NOT self awareness.
- How to become self - aware:

  Some way of thinking about yourself.
- Personality: One way of thinking yourself

❖ **Unit-2 The Big Five Personality Dimensions:**

- Openness.
- Conscientiousness.
- Extraversion.
- Agreeableness.

❖ **Unit-3 Johari windows:**

- What is johari window?
- Fore quadrants.
- History of johari windows.
- Usage of johari window application.
- Steps in johari window process.
- Strengths in johari window.
- Limitation of johari window.

❖ **Unit-4 Self Concept:**

- What is self concept?
- Formation of self concept.
- Part of self concept:

Values

Beliefs

Attitude

Feelings

- How it affects our personality and our life.
- Restructuring the self concept.

❖ **References:**

1. Aamodt, M. (2004) Applied Industrial Organization Psychology (4th ED). Wadsworth Thomson Learning Belmont, CAISBN 05459692.
2. Whetten, D. & Carmon, K. (2002). Developing Management of Skills (5th Ed.) Prentice Hall: Upper Saddle, NJ.
3. Block, jack (2011). The five factor framing of personality and beyond: some ruminations. Psychological Inquiry, 21(I), 2-25.

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र - शैक्षणिक वर्ष - २०११ से लागू

प्रश्नपत्र-११ सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य-I

(महाकाव्य, दीर्घकविता, काव्यनाटक)

(१) **महाकाव्य** : साकेत - मैथिली शरण गुप्त साहित्य सदन,
झाँसी, सन्दर्भ के लिए नवम् सर्ग,

(२) **दीर्घकविता** : तुलसीदास - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रका., नई दिल्ली

(३) **काव्यनाटक** : अन्धायुग - श्री धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहाबाद

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. साकेत : एक अध्ययन - डॉ. नगेन्द्र
प्रका. साहित्य रत्नाकर, आगर।

२. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और कृतित्व - डॉ. दीन बहादुर पाठक
प्रका. विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

३. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और अभिव्यक्ति - डॉ. सी.एल. प्रभात
प्रका. बम्बई हिन्दी विद्यापीठ, बम्बई।

४. तुलसी - संपा. उदयभानुसिंह
प्रका. राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली।

५. विश्वकवि तुलसी और उनका काव्य - रामप्रसाद मिश्र
प्रका. सूर्यप्रकाशन, नई सडक, दिल्ली।

६. तुलसी चिन्तन और कला - इन्द्रनाथ मदान
प्रका. प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।

७. अन्धायुग रचनाधर्मिता के विविध आयाम - डॉ. मायामलिक

८. डॉ. धर्मवीर भारती का गद्य साहित्य - डॉ. साधना भंडारी

९. धर्मवीर भारती : युग चेतना और अभिव्यक्ति - डॉ. सरिता शुक्ल

१०. धर्मवीर भारती और उनका अन्धायुग - साधना भंडारी

११. अन्धायुग : एक सृजनात्मक उपलब्धि - डॉ. सुरेश गौतम

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

सन्दर्भ व्याख्या का प्रश्न अनिवार्य होगा

प्रश्न-१ ससंदर्भ व्याख्या -			६ × ३ = १८
प्रश्न-२	(क) साकेत अथवा साकेत	(दीर्घोत्तरी प्रश्न)	१४
प्रश्न-३	(ख) तुलसीदास अथवा तुलसीदास	(दीर्घोत्तरी प्रश्न)	१४
प्रश्न-४	(ग) अन्धायुग अथवा अन्धायुग	(दीर्घोत्तरी प्रश्न)	१४
प्रश्न-५	(च) अति लघुत्तरी प्रश्न	(तीनों रचनाओं में से)	१० × १ = १०
			७०

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १२ : विशेष स्तर - सैद्धांतिक भाषाविज्ञान

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा के अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार।

२. भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति। भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

३. **स्वन विज्ञान** : स्वन विज्ञान का स्वरूप, स्वन विज्ञान की शाखाएँ - औच्चारिकी तथा श्रोतिकी, वाग्वयव तथा उनके कार्य, स्वन की परिभाषा, स्वन का वर्गीकरण, स्वर वर्गीकरण - जिव्हा के व्यवहृत भाग, जिव्हा की उँचाई तथा होठों की आकृति के आधार पर मानस्वर, संयुक्त/स्वर/व्यंजन वर्गीकरण - स्थान, प्रयत्न और घोषत्व के आधार पर श्रुति, व्यंजन गुच्छ। स्वन गुण - मात्रा, बलाघात, सुर, विवृत्ति। स्वनिम की अवधारणा

४. **रूप विज्ञान** : रूप विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, रूपिम का स्वरूप, रूपिम के भेद - संरचना की दृष्टि से - मुक्त, बद्ध, संपृक्त रूप। अर्थ की दृष्टि से - (अर्थतत्व) संबंधदर्शी (संबंधतत्व) खण्डात्मकता की दृष्टि से खण्डात्मक और अधिखण्डात्मक, संबंध तत्व के भेद, रूप स्वनिम विज्ञान।

५. **वाक्य विज्ञान** : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, अभिहितान्वयवाद अन्विताभिधानवाद। वाक्य की आवश्यकताएँ - योग्यता, आकांक्षा, आसक्ति, वाक्य विश्लेषण - उद्देश्य, विधेय, निकटस्थ अवयव। वाक्य के भेद - रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर।

७. **अर्थ विज्ञान** : अर्थ विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ बोध के साधन - पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थतता। अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषाविज्ञान : डॉ. राजमल बोरा

३. भाषाविज्ञान की भूमिका - सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

४. भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

५. भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक विवेचन - रवीन्द्र श्रीवास्तव

६. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

७. भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

८. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली

९. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत

१०. भाषाविज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

११. सामान्य भाषाविज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना

१२. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

१३. आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा

१४. भाषा और भाषाविज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी

१५. भाषा - ब्लूमफील्ड (अनुवादक - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद)

१६. हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

१७. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी

१८. हिंदी का उद्‌भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी

१९. हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ - डॉ. हरदेव बाहरी

२०. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - डॉ. अंबाप्रसाद 'सुमन'

२१. हिंदी भाषा - कैलाशचंद्र भाटिया

२२. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२३. भारतीय लिपियों की कहानी - गुणाकर मुले

२४. नागरी लिपि रूप और सुधार - मोहन ब्रिज

२५. नागरी लिपि का उद्भव और विकास - डॉ. ओमप्रकाश भाटिया

२६. नागरी की लिपि संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२७. भारत की भाषाएँ - डॉ. राजमल बोरा

२८. हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

२९. हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप - डॉ. राममूर्ति शर्मा

३०. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. केशवदत्त रुपाली

३१. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका - त्रिलोचन पांडेय

३२. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास - डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह

३३. भाषाविज्ञान और हिंदी - डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'

३४. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री

३५. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ.राजमणि शर्मा

३६. भाषाविज्ञान प्रवेश और हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

३७. अभिनव भाषाविज्ञान - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

३८. आधुनिक भाषाविज्ञान - कृपाशंकर सिंह/चतुर्भुज सहाय

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

प्रश्न-१ ईकाई - १-२			१४
प्रश्न-२ ईकाई - ३-४			१४
प्रश्न-३ ईकाई - ५-६			१४
प्रश्न-४ ईकाई - १-६ टिप्पणी	१ अथवा १		
	२ अथवा २		
	३ अथवा ३	६ × ३ =	१८
प्रश्न-५ ईकाई - अति लघुत्तरी प्रश्न	-	१ × १० =	१०
			७०

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १३ : विशेष स्तर - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिककाल १९४७ तक)

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि :

१. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुर्नलेखन की समस्याएँ।

२. **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ :**
(क) नयी कविता, (ख) अकविता, (ग) प्रतिबद्ध कविता, (च) समकालीन हिंदी कविता

३. **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी एकांकी, नाटक :**

(क) प्रयोगशील नाटक : पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, प्रयोगशीलता का उन्मेष, कथ्य के संदर्भ में, शिक्षा के संदर्भ में, मंच के स्तर पर, भाषा के स्तर पर, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ।

(ख) गीतिनाट्य : पृष्ठभूमि, गीतिनाट्य का वैशिष्ट्य, नाटक और गीतिनाट्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गीतिनाट्य : एक सर्वेक्षण, प्रमुख हिन्दी गीतिनाट्य, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ।

(ग) नुक्कड नाटक : उद्भव एवं विकास, सामाजिक आंदोलन और नुक्कड नाटक, नुक्कड नाटक और मंच, नुक्कड नाटक और दर्शक, हिन्दी में नुक्कड नाटक आन्दोलन, विशेषताएँ, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ।

४. **आधुनिककाल - पूर्वपीठिका :**

(क) आधुनिककाल : नामकरण

(ख) आधुनिककाल : परिस्थितियाँ

(१) राजनीतिक (२) आर्थिक (३) शिक्षा का पश्चिमीकरण

(४) यातायात (५) प्रेसजनमत (६) भारतीय नवजागरण

(ग) आधुनिकता का स्वरूप

५. **आधुनिककालीन साहित्य का विकासात्मक परिचय :**

इकाई-२ - कविता

इकाई-३ - उपन्यास, कहानी

इकाई-४ - नाटक, एकांकी

इकाई-५ - आलोचना, निबन्ध

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्त

२. हिंदी साहित्य का इतिहास - सपां. डॉ. नगेंद्र

३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

४. हिंदी साहितय का इतिहास - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

५. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

६. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. श्यामचंद्र कपूर (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

७. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

८. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंदराम शर्मा

९. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशनप्रसाद खंडेलवाल

१०. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय

११. आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

१२. हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

१३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

१४. हिंदी गद्य : उद्‌भव और विकास - डॉ. उमेश शास्त्री

१५. हिंदी साहित्य : एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंह

१६. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

१७. हिंदी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र

१८. रीतियुगीन काव्य - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा

१९. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र

२०. हिंदी रीतिकालीन पर काव्य संस्कृत काव्य का प्रभाव - डॉ. दयानंद शर्मा

२१. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल - श्री नारायण चतुर्वेदी

२२. हिंदी साहित्य - युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा

२३. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ. सभापति मिश्र

२४. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के

२५. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास - डॉ. मोहन अवस्थी

२६. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे/डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

२७. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे

२८. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

२९. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेशकुमार जैन

३०. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी

३१. हिंदी साहित्य - डॉ. धर्मवीर भारती

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे		**कुल अंक - ७०**
प्रश्न-१ ईकाई - १		१२
प्रश्न-२ ईकाई - २		१२
प्रश्न-३ ईकाई - ३		१२
प्रश्न-४ ईकाई - ४		१२
प्रश्न-५ ईकाई - ५		१२
प्रश्न-६ ईकाई - ६ अति लघुत्तरी प्रश्न	१ × १० =	१०
		७०

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १४ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(अ) अनुवादविज्ञान

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. अनुवाद का स्वरुप : परिभाषा, महत्त्व एवं व्याप्ति, अनुवाद-कला या विज्ञान।

२. अनुवाद प्रक्रिया : मूलभाषा का पाठबोधन और व्याख्या, लक्ष्यभाषा में अभिव्यक्ति, अनुवाद की प्रक्रियागत स्थितियाँ - अर्थयोग; अर्थहानि; अर्थांतरण; पुनःसर्जन, अनुवाद कार्य में सहायक साधन-कोश, पारिभाषिक शब्दावली, संबंधित ग्रंथ, कम्प्यूटर, अनुवादक के गुण।

३. अनुवाद का मौखिक तथा लिखित स्वरूप, महत्त्व एवं वर्तमान काल में उसकी उपयोगिता, अनुवादक की योग्यता।

४. अनुवाद के प्रकार : प्रक्रिया के आधार पर - शब्दानुवाद - भावानुवाद, छायानुवाद पर, रुपांतरण। गद्य-पद्य के आधार पर - गद्यानुवाद, पद्यानुवाद। विधा के आधार पर - नाट्यानुवाद, काव्यानुवाद, कथानुवाद आदि।

५. वाणिज्य और व्यवसाय क्षेत्र की साम्रगी का अनुवाद : स्वरूप, आवश्यकता, समस्याएँ, सीमाएँ।

६. बैंक तथा अन्य कार्यालयों में अनुवाद की सामग्री : स्वरूप, आवश्यकता, समस्याएँ, सीमाएँ।

७. कम्प्यूटर अनुवाद : आवश्यकता, समस्याएँ तथा सीमाएँ।

८. अनुवाद की समस्याएँ - मुहावरों और कहावतों का अनुवाद, अलंकारों का अनुवाद, काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. अनुवाद सिद्धान्त की रुपरेखा - डॉ. सुरेशकुमार

२. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

३. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और अनुप्रयोग - संपा. डॉ. नगेन्द्र

४. अनुवाद और मशीनी अनुवाद - डॉ. वृषभप्रसार जैन

५. अनुवाद क्या हैं - डॉ. राजमल बोरा (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

६. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण - डॉ. हरिमोहन (तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली)

७. अनुवाद विज्ञान - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १४ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(सूचना : अ.आ.इ. में से किसी एक प्रश्नपत्र का अध्ययन करना है)

(आ) आधुनिक हिंदी आलोचना

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. आलोचना : स्वरूप, उद्‌देश्य, आलोचना की प्रक्रिया।

२. आलोचना के प्रमुख प्रकार, आलोचना और अनुसंधान, आलोचक के गुण।

३. हिंदी आलोचना का विकास क्रम, हिंदी आलोचना और सर्जनशील साहित्य।

४. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता - हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

५. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता - हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

६. डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता - हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

७. डॉ. नगेन्द्र की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता - हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

८. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषताएँ, हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

९. डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषताएँ, हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. हिंदी आलोचना : स्वरूप और प्रक्रिया - आनंदप्रकाश दीक्षित

२. आचार्य शुक्त के समीक्षा सिद्धान्त - डॉ. रामलाल सिंह

३. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा

४. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

५. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. रामाधार शर्मा

६. हिंदी आलोचना का इतिहास : डॉ. रामदरश मिश्र

७. हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास - भगवत स्वरूप मिश्र

८. हिंदी के विशिष्ट आलोचक : नंदकुमार राय

९. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - डॉ. रामेश्वर खंडेलवाल

१०. हिंदी की सैद्धान्तिक समीक्षा - डॉ. रामाधार शर्मा

११. हिंदी की सैद्धान्तिक आलोचना - डॉ. रूपकिशोर मिश्र

१२. हिंदी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ - डॉ. रामदरश मिश्र

१३. हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल - डॉ. शिवकुमार मिश्र

१४. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - संपा. विश्वनाथ तिवारी

१५. डॉ. नगेन्द्र के आलोचना सिद्धांत - नारायण प्रसाद चौबे

१६. डॉ. रामविलास शर्मा - डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी

१७. आलोचक रामविलास शर्मा - डॉ. नत्थन सिंह

१८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातम संदर्भ - डॉ. सत्यदेव मिश्र

१९. पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त विवेचन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

२०. काव्यशास्त्र - डॉ. सुधाकर कलावड़े

२१. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ - संपा. डॉ. उदयभानु सिंह, डॉ. उदय प्रकाश

:: प्रशनपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १४ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. जनसंचार माध्यम : स्वरूप, कार्य, उद्देश्य, सूचना-प्राद्यौगिकी के विविध रूप, इलेक्ट्रानिक अंतर्ग्रथन।

२. भारतीय संचार तकनीकि : इतिहास, विकासमूलक तथा लोकतांत्रिक संचार, वैश्विकीकरण की प्रक्रिया और जनसंचार।

३. सूचना समाज की अवधारणा और शर्ते।

४. भाषा की सूचनात्मक क्षमता : सूचना-निर्माण, सूचना-शैली, सूचना-संप्रेषण, वाचिक भाषा, लेखन भाषा।

५. जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रूप : समाचार, विज्ञापन, विज्ञान एवं अनुसंधान से संबंधित कार्यक्रम, जनशिक्षा, साक्षात्कार, सर्वेक्षण वृत्तांत, साहित्य प्रसारण, सामायिक कार्यक्रम, निवेदन, कृषि केंद्रित कार्यक्रम, बच्चों के कार्यक्रम, चर्चा विश्लेषण, खेल, संगीत, धार्मिक कार्यक्रम, सीधा प्रसारण आदि के हिंदी भाषा रूप।

६. जनसंचार माध्यम और हिंदी साहित्य : जनसंचार माध्यमों में साहित्य की आवश्यकता, जनसंचार माध्यमों से संबंधित हिंदी साहित्य।

७. हिंदी पत्रकारिता के विविध रूप : प्रिंटमीडिया (समाचार पत्र), रेडियो की पत्रकारिता, दूरदर्शन की पत्रकारिता, इंटरनेट की पत्रकारिता, पारस्परिक साम्य-वैषम्य।

८. जनसंपर्क माध्यमों में अनुवाद प्रक्रिया : अनुवाद की आवश्यकता, अंग्रेजी से हिंदी, हिंदी से अंग्रेजी, प्रादेशिक भाषाओं में अनुवाद, हिंदी पर अंग्रेजी का प्रभाव।

९. इलेक्ट्रानिक माध्यमों के संदर्भ में हिंदी भाषा का मानकीकरण : आवश्यकता, भाषा नियोजन-नीति, भाषा-स्थिरता, भाषा-विस्तार, किताबी भाषा और माध्यमों की भाषा का अंतर।

१०. हिंदी से संबंधित तकनीकी ज्ञान : कम्प्यूटर - एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टी मीडिया, इंटरनेट, वेबसाइट, इ-कॉमर्स आदि का सामान्य परिचय।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी

२. जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व - डॉ. त्रिभुवन राय
(श्याम प्रकाशन, जयपुर)

३. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र - जवरीमल्ल पारीख

४. मीडिया विमर्श - रामशरण जोशी

५. मीडिया और साहित्य - सुधीर पचौरी

६. दूरदर्शन : सम्प्रेषण और संस्कृति - सुधीर पचौरी

७. इक्कीसवीं सदी और हिंदी पत्रकारिता - अमरेंद्रकुमार

८. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ - डॉ. विनोद गोदरे

९. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - प्रो. हरिमोहन (तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली)

१०. दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी - डी.डी.ओझा, सत्यप्रकाश (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

११. कम्प्यूटर गाइड - शशिकांत बाकरे

१२. इंटरनेट एण्ड वर्ल्डवाइड वेब सिंफ्लीफाइड - रूथ मारन

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

SEMISTER-III

प्रश्नपत्र - १५ (अ)

Inter Disciplinary Course : (Any One)

Paper No. 307 (Information Technology and Data Analysis)

1. **Main Objectives:**
2. **The Scheme of question paper:**

- The paper will consist four units.
- Total Marks are: 100

  70: External Examination

  30: Internal Evaluation

  10 Marks: Internal Examination

  10 Marks: Seminar, Presentation, Assignment.

  10 Marks: Practical, Book Review, Field Work, Quiz, and Research Report.

❖ **Unit-1 HTML:**

- Introduction to HTML
- What is HTML, a brief History
- Structure of a page
- Creating a simple web pages
- All about Links
- Text Formatting with HTML

❖ **Unit-2 Internets:**

- What is Internet and its advantage
- WWW, Email, Chatting and Voice Mail, Document Transfer
- E Commerce
- B3B and B2C Concepts
- Electronic stock market and exchange
- Virus

❖ **Unit-3 MS Access 2007:**

- Introduction to Access 2007
- Database and Database management system
- Salient Features of Access 2007
- Screen of Access 2007

❖ **Unit-4 MS Access 2007:**

- Understanding of following database objects
- Tables, Queries, Forms and Reports
- Creating a Table in Design View
- Creating a Data from using wizards
- Queries using design View
- Creating Report using wizards

❖ **References:**

1. Personal Computer. Window 98 and Microsoft office 2007, Antani Hemang and Shah Keyur, TMH.
2. PC software for windows 98 and simple, Taxali R. K., TMH.
3. Mastering Microsoft Office 2000, D. P. Nagarpal, Wheeter Publishing.

प्रश्नपत्र - १५ (आ)

Paper No. 308 (Communication Skills)

1. **Main Objectives:**
2. **The Scheme of question paper:**

- The paper will consist four units.
- Total Marks are: 100

  70: External Examination

  30: Internal Evaluation

  10 Marks: Internal Examination

  10 Marks: Seminar, Presentation, Assignment.

  10 Marks: Book Review, Field Work, Quiz, and Research Report.

❖ **Unit-1 Definition:**

- Communication: Importance of Communication
- Types of communications: Interpersonal and Intrapersonal communication
- Verbal and Non Verbal Communication
- Differential individual communication and Group Discussion

❖ **Unit-2:**

- Transactional Analysis
- Roots of Transactional Analysis
- Early transactional Analysis theory and model
- Ego status
- Transactions
- Strokes
- Games people play
- Life Scripts and Early Decisions
- Existential Positions
- Application of this theory

❖ **Unit-3:**

- Model of Communication
- Barriers to communication
- Communication and conflict management

❖ **Unit-4:**

- Video clips on communication
- Project and Presentations

Social skills and conflict Management skills:

- Component of social skills, effective ways of dealing with people.
- Types of conflicts (interpersonal, intra group and inter group conflicts).
- Basic concepts. Cues, signals, symbols and secrets of body language.
- Significance of body language in communication and assertiveness training.
- Conflict stimulation and conflict resolution techniques for effective conflict management.

❖ **References:**

1. Barker A - Improve your communication skills - Kogan Page India Pvt. Ltd. New Delhi (2006)
2. Aamodt, M (2004). Applied industrial organizational Psychology (4th Edition). Wadsworth Thamson Learning: Belmont, CA ISBN: 0534596932.
3. Whetten, D. & Carmon, K. (2002). Developing Management of Skills (5th Ed.) Prentice Hall: Upper Saddle, NJ.
4. Block, jack (2010). The five factor framing of personality and beyond: some ruminations. Psychological Inquiry, 21(I), 2-25.

Hemchandracharya North Gurat University, Patan
M.A. Sem - III
Inter Disciplinary Courses
Enforce From June-2013

हिन्दी लेखन कौशल

ईकाई : एक

हिन्दी लेखन कौशल :

१. हिन्दी लेखन कौशल का विकास
२. हिन्दी लेखन के मूल तत्त्व
३. आवेदनपत्र, पत्रलेखन, व्यावहारिक पत्र
४. संपादकीय लेखन के चरण

ईकाई : दो

साक्षात्कार :

१. साक्षात्कार की परिभाषा एवं स्वरूप
२. साक्षात्कार के प्रकार
३. साक्षात्कार की प्रक्रिया
४. साक्षात्कार की अनुमति और समय

ईकाई : तीन :

उद्‌घोषणा लेखन :

१. उद्‌घोषणा अर्थ एवं स्वरूप
२. हिन्दी एवं भाषण कला
३. उद्‌घोषणा लेखन
४. उद्‌घोषणा की तैयारी

ईकाई : चार

विज्ञापन लेखन :

१. विज्ञापन : अर्थ, रचना एवं प्रक्रिया
२. विज्ञापन के प्रकार एवं भाषा
३. विज्ञापन की निर्माण प्रक्रिया
४. विज्ञापन प्रबन्धन

:: संदर्भ सूचि ::

१. प्रयोजनमूलक हिन्दी, प्रो. रमेश जैन, प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

२. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत, नरेन्द्रसिंह यादव।

३. हिन्दी व्यावहारिक लेखन, हरिमोहन शर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली।

४. जन संचार : विविध आयाम, ब्रजमोहन गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र - शैक्षणिक वर्ष - २०१२ से लागू

प्रश्नपत्र-१६ सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य - II

(गीतिकाव्य, विशेषकवि तथा नईकविता)

(१) गीतिकाव्य : उर्वशी - रामधारीसिंह दिनकर
प्रका. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

(२) विशेषकवि : जयशंकर प्रसाद (आँसू)
प्रका. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(३) नई कविता : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, (प्रतिनिधि कविताएँ-१२)
प्रका. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रतिनिधि कविताएँ :

(१) एक सूनी नाव
(२) माँ की याद
(३) लाल सायकिल
(४) पत्नी की मृत्यु पर
(५) दिवंगत पिता के लिए
(६) गोबरैले
(७) भेडिया - १,२,३
(८) आत्म-साक्षात्कार
(९) सबकुछ कह लेने के बाद
(१०) कुआनो नदी
(११) बाँसगाँव
(१२) पंचधातु

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. उर्वशी : संवेदना और शिल्प - डॉ. सुशीला शर्मा।

३. दिनकर और उनकी उर्वशी - प्रो. देशराजसिंह भाटी।

३. दिनकर : व्यक्तित्व और कृतित्व - सं. जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी।

४. जयशंकर प्रसाद : आ. नंददुलारे वाजपेयी
प्रका. भारती भंडार, लीडरप्रेस, इलाहाबाद।

५. प्रसाद : एक अध्ययन
प्रका. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।

६. जयशंकर प्रसाद : सृष्टि और दृष्टि - कल्याणमल लोढ़ा
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

७. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी
प्रका. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे	**कुल अंक - ७०**	
प्रश्न-१ स-संदर्भ व्याख्या	६ × ३ =	१८
प्रश्न-२ उर्वशी अथवा उर्वशी - दीर्घोत्तरी प्रश्न		१४
प्रश्न-३ आँसू अथवा आँसू - दीर्घोत्तरी		१४
प्रश्न-४ नई कविता अथवा नईकविता - दीर्घोत्तरी		१४
प्रश्न-५ अतिलघुत्तरी प्रश्न (तीनों रचनाओं में से)	१० × १ =	१०
		७०

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र १७ : विशेष स्तर - हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. **हिन्दी का ऐतिहासिक विकास :** अवहट्ट और हिन्दी, आदिकालीन, मध्यकालीन और आधुनिककालीन हिन्दी।

२. **हिंदी की उपभाषाएँ और बोलियाँ :** वर्गीकरण - पूर्वी हिंदी व पश्चिमी हिंदी की तुलना, खडीबोली, ब्रज और अवधी की व्याकरणिक विशेषताएँ।

३. **हिंदी का शब्द भंडार :** तत्सम, अर्धतत्सम, तद्भव, देशी, विदेशी शब्द।

४. **हिंदी का शब्द निर्माण :** उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

५. **हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप और विकास :** रूप रचना - लिंग, वचन और कारक-व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया रूप तथा अव्ययों का विकास।

६. **हिंदी के विविध रूप :** संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संचार भाषा।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषाविज्ञान : डॉ. राजमल बोरा

३. भाषाविज्ञान की भूमिका - सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

४. भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

५. भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक विवेचन - रवीन्द्र श्रीवास्तव

६. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

७. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली

८. भाषाविज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

९. सामान्य भाषाविज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना

१०. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

११. आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा

१२. भाषा और भाषाविज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी

१३. हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

१४. हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ - डॉ. हरदेव बाहरी

१५. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - डॉ. अंबाप्रसाद 'सुमन'

१६. हिंदी भाषा - कैलाशचंद्र भाटिया

१७. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

१८. भारतीय लिपियों की कहानी - गुणाकर मुले

१९. नागरी लिपि रूप और सुधार - मोहन ब्रिज

२०. नागरी लिपि का उद्भव और विकास - डॉ. ओमप्रकाश भाटिया

२१. नागरी की लिपि संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२२. भारत की भाषाएँ - डॉ. राजमल बोरा

२३. हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

२४. हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप - डॉ. राममूर्ति शर्मा

२५. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. केशवदत्त रुपाली

२६. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका - त्रिलोचन पांडेय

२७. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास - डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह

२८. भाषाविज्ञान और हिंदी - डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'

२९. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री

३०. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ.राजमणि शर्मा

३१. भाषाविज्ञान प्रवेश और हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

३२. अभिनव भाषाविज्ञान - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

३३. आधुनिक भाषाविज्ञान - कृपाशंकर सिंह/चतुर्भुज सहाय

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र १८ : विशेष स्तर - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास

अध्यापन संबंधी सूचना :

१. इतिहास का प्रश्नपत्र होने के कारण किसी प्रवृत्ति या विद्या का विकास एवं ऐतिहासिक महत्त्व से संबंधित प्रश्न अपेक्षित है, विश्लेषणात्मक नहीं।

२. इतिहास से संबंधति प्रश्नों के उत्तर में पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, विद्या या प्रवृत्ति का अभिप्राय, प्रारंभ-नामकरण, अन्य विद्या या प्रवृत्ति से संबंध, कथ्य और शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ आदि मुद्दे हो सकते हैं।

:: पाठ्यक्रम ::

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास :

इकाई-१ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास :

(क) आंचलिक उपन्यास (ख) मनोवैज्ञानिक उपन्यास (ग) ऐतिहासिक उपन्यास

इकाई-२ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी :

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी-एक सर्वेक्षण, हिन्दी कहानी आन्दोलन : नयी कहानी, अकहानी, समान्तर कहानी, समकालीन कहानी तथा अन्य आन्दोलन।

इकाई-३ : निबंध और आलोचना :

(क) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध :

(१) विचार प्रधान निबंध (२) ललित निबंध

(३) हास्य एवं व्यंग्यप्रधान (४) समीक्षात्मक निबंध

इकाई-४ : गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास :

(क) स्वातंत्र्योत्तर काव्य :

प्रबंध काव्य, गीत एवं गजल, समकालीन बोध और गुजरात की हिन्दी कविता।

(ख) **स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य**

(ग) **स्वातंत्र्योत्तर कहानी**

इकाई-५ : आत्मकथा/जीवनी/संस्मरण/रेखाचित्र

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चनसिंह; राधाकृष्ण प्रका. दिल्ली

२. द्वितीय महासमरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास-लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय : हिन्दी परिषद, इलाहाबाद।

३. नयी कविता : डॉ. कान्तिकुमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।

४. कविता के नये प्रतिमान : नामवरसिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

५. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी; राजकमल प्रका. दिल्ली।

६. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा; राजकमल प्रका. दिल्ली।

७. हिन्दी उपन्यास : एक अन्यार्यात्रा : डॉ. रामदरश मिश्र; राजकमल प्रका. दिल्ली।

८. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : संपा. रामदरश मिश्र; गिरनार प्रका. महेसाना (उ.गु.)।

९. हिन्दी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान; लिपि प्रका. दिल्ली।

१०. समकालीन हिन्दी नाटककार : गिरीश रस्तोगी; भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली।

११. समकालीन हिन्दी उपन्यास : विवेकी राय; राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद।

१२. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन : संपा. रघुवीर चौधरी, डॉ. आलोक गुप्ता वाचिकम्, हिन्दी विभा., गुजरात युनि., अहमदाबाद।

१३. हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : संपा. रामदरश मिश्र, ज्ञानचंद गुप्त, वाणी प्रका. दिल्ली।

१४. हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : संपा. वेदप्रकाश आमिताभ; मधुवन प्रकाशन, मथुरा।

१५. नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ : डॉ. जगदीश गुप्त, ज्ञानपीठ, दिल्ली।

१६. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास : विविध प्रयोग : डॉ. कुसुम शर्मा, श्याम प्रका., कानपुर।

१७. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास : भाग १-२; डॉ. चमनलाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ़।

१८. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : देसाई, बापूराव, भारतीय ग्रंथ निकेतन।

१९. नया साहित्य : नये प्रश्न : आ. नन्ददुलारे वाजपेयी; विद्यामंदिर, वाराणसी।

२०. आधुनिक हिन्दी साहित्य : गुजरात; डॉ. रामकुमार गुप्त, अभिवंदन ग्रन्थ प्रधान संपा. आचार्य रघुनाथ भट्ट, प्रका. हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद।

२१. स्वातंत्र्योत्तर युगीन परिप्रेक्ष्य और नुक्कड नाटक : डॉ. मदनमोहन शर्मा पार्श्व प्रका., अहमदाबाद।

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र १९ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(सूचना : क,ख,ग में से किसी एक विषय का अध्ययन करना है)

(क) भारतीय साहित्य

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. भारतीय साहित्य का स्वरूप

२. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

३. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब

४. भारतीयता और समाजशास्त्र

५. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

अध्ययनार्थ साहित्य कृतियाँ :

१. नवलकथा : मानवीनीभवाई - पन्नालाल पटेल, साधना प्रकाशन, अहमदाबाद (गुजराती)

२. नाटक - घासीराम कोटवाल - विजय तेंदुलकर (मराठी), राजकमल प्रका. दिल्ली

३. उपन्यास - गोरा - रवीन्द्रनाथ ठाकुर (बंगाली), राजकमल प्रका. दिल्ली

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. भारतीय साहित्य - संपा. डॉ. नगेन्द्र

२. आज का भारतीय साहित्य - संपा. साहित्य अकादमी

३. मराठी साहित्य : परिप्रेक्ष्य - संपा. डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

४. बंगला साहित्य का इतिहास - डॉ. बॅनर्जी

५. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार - डॉ. रणवीर रांग्रा

६. भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और समस्याएँ - के. सच्चिदानंद (वाणी)

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र १९ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(ख) लोकसाहित्य

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. ‘लोक’ शब्द की व्यत्पत्ति, स्वरूप, लोकसाहित्य का स्वरूप - परिभाषाएँ तथा विशेषताएँ, लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में साम्य - भेद। लोकवार्ता का स्वरूप।

२. लोकसाहित्य का सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से महत्त्व।

३. लोकगीत : परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणा स्रोत, लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर, लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ, लोकगीतों का परिचय - सोहर, मुंडन, विवाह, गौना, होली, सावनगीत आदि। गडरिया, चक्की की ओवियाँ, पवाडा, लावनी आदि।

४. लोककथा : परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोककथा में अभिप्राय का महत्त्व, लोककथा के उत्पत्तिविषयक सिद्धांत, लोककथाओं का वर्गीकरण।

५. लोकनाट्य : परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर, लोकनाट्यों का परिचय - रामलीला, रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, जात्रा, भवाई, ख्याल, माँच, नौटंकी, कुचिपुडी, तमाशा, गोंधण।

६. लोकसाहित्य का कलापक्ष : भावव्यंजना, रसपरिपाक, भाषा, अलंकार-योजना, छंद-विधान, प्रतीकात्मकता आदि दृष्टियों से विवेचन।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार

२. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

३. लोकसाहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा

४. लोक साहित्य के प्रतिमान - डॉ. कुंदनलाल उप्रैति

५. खडीबोली का लोकसाहित्य - डॉ. सत्यगुप्त

६. लोकसाहित्य का विज्ञान - डॉ. सत्येंद्र

७. लोकवार्ता और लोकगीत - डॉ. सत्येंद्र

८. लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र १९ : विशेष स्तर - वैकल्पिक
(ग) हिंदी पत्रकारिता

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख पत्रकार।

२. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ, हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।

३. पत्रकारिता के मूल तत्व - समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम, समामार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।

४. संपादन कला : सामान्य सिद्धांत शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्र को प्रस्तुति प्रक्रिया, समाचार के विभिन्न स्रोत।

५. दृश्य सामग्री (कार्टून रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।

६. पत्रकारिता से संबंधित लेखन - संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन आदि की प्रविधि।

७. इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता - रेडियो, टीवी, व्हिडीओ, केबल, मल्टीमीडिया और इंटरनेट पत्रकारिता।

८. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पुष्ट सज्जा, मुक्तप्रेस की अवधारणा, लोकसंपर्क तथा विज्ञापन।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता और रचनात्मक नवलेखन का अन्तःसंबंध - डॉ. ऋचा शर्मा

२. जनमाध्यम प्राद्यौगिकी और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी

३. जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व - डॉ. त्रिभुवन राय श्याम प्रकाशन, जयपुर

४. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र - जवरीमल्ल पारीख

५. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका - जगदीश्वर चतुर्वेदी

६. मीडिया विमर्श - रामशरण जोशी

७. परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम - पूरनचंद्र जोशी

८. लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

९. साइबर स्पेस और मीडिया - सुधीर पचौरी

१०. साहित्य का उत्तरकांड - सुधीर पचौरी

११. दूरदर्शन : सम्प्रेषण और संस्कृति - सुधीर पचौरी

१२. दूरदर्शन : विकास से बाजार तक - सुधीर पचौरी

१३. ब्रेक के बाद - सुधीर पचौरी

१४. इक्कीसवीं सदी और हिंदी पत्रकारिता - अमरेंद्रकुमार

१५. एक जनभाषा की त्रासदी - गिरिराज किशोर

१६. सूचना समाज - जगदीश्वर चतुर्वेदी

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

SEMISTER-IV

प्रश्नपत्र - २० (अ)

Inter Disciplinary Course : (Any One)

Paper No. 407 (Information Technology and Data Analysis)

1. **Main Objectives:**
2. **The Scheme of question paper:**
   - The paper will consist four units.
   - Total Marks are: 100

     70: External Examination

     30: Internal Evaluation

     10 Marks: Internal Examination

     10 Marks: Seminar, Presentation, Assignment.

     10 Marks: Practical, Book Review, Field Work, Quiz, and Research Report.

❖ **Unit-1 SPSS:**

- Starting SPSS
- Entering Value in Worksheet
- Descriptive statistics

  Frequency Distributions

  Table and Cross tabulation

  Mean, median, mode, standard Deviation

❖ **Unit-2 SPSS:**

- Correlation
- Regression
- Covariance and auto covariance
- Hypothesis Testing T-Test, F Test (ANOVA)
- Creating Charts

❖ **Unit-3 Explain:**

●	ATM	Bug	Virus	Password
●	Byte	Bit	Web	Modem
●	Program	Flowchart	Boot	POST
●	Backup LAN	WAN	MAN	

- ASCII

❖ **Unit-4 Installation:**

- Installing Basic Software Like MS Office
- CD Burning Software Installations
- Installing or Adding Printer
- Installing or Adding Fonts
- Installing Sound Driver
- Installing Drivers for any Hardware
- Installing new software and removing them using control panel

❖ **References:**

1. Personal Computer Windows XP, Vista and Microsoft Office 2007, Antani Hemang and Shah Keyur, TMH.
2. PC software for windows 98 and simple, Taxali R. K., TMH.
3. Mastering Microsoft Office 2000, D. P. Nagarpal, Wheeter Publishing.

प्रश्नपत्र - २० (आ)

Paper No. 408 (Social Problems)

1. Main Objectives:

Over the years, India's social problems have become difficult, intricate and hydra headed, pervading the entire social, economic, cultural and demographic structure, Keeping this in view, this paper aims at introducing the students to the concept and various perspectives on social problems. It also aims at providing detailed knowledge about specific social problems ranging from socio-cultural problems to socio demographic.

2. The Scheme of question paper:

- The paper will consist four units.
- Total Marks are: 100

  70: External Examination

  30: Internal Evaluation

  10 Marks: Internal Examination

  10 Marks: Seminar, Presentation, Assignment.

  10 Marks: Book Review, Field Work, Quiz, and Research Report.

❖ **Unit-1 Concept and Sociological perspectives:**

- Definition
- How and when issue becomes a social problem.
- Subjective definition and objective condition.
- Stages in its development
- Assumptions of social problems

❖ **Perspectives on social problems:**

- Functional perspective
- Conflict perspective
- Symbolic internationalist perspective

❖ **Unit-2 Socio Cultural Problems:**

- Corruption
- Sec-deviation
- Dowry

❖ **Unit-3 Socio Economic and Structural Problems:**

- Poverty
- Unemployment

- Drug addiction

❖ **Unit-4 Socio-Demographic Problems:**

- Child Labor
- Problems of elderly
- Physically Challenged

❖ **References:**

1. Azia, Abdul (1994) Poverty, Alleviation in India: Policies and programmes, New Delhi: Ashish Publication.
2. Bajpai, P. K. (1992) Youth, Education and Unemployment, New Delhi: Ashish Publication house.
3. Ghosh, S. K. (1996) The new World of Prostitutes, APH Publication corporation.
4. Julian Joseph (1989) Social Problems (6th Edition) New Jersey: Permice Hall.
5. Kapoor, T. (1985) Drug Epidemic among Indian youth, New Delhi: Mittal Publication.
6. Mani, D. Ram (1988) The Physically handicapped in India, New Delhi: Shilpa Publication.
7. Modi, Ishwar and Modi, Shalini (1997) Drugs: Addiction and Prevention, Jaipur: Rawat Publication.
8. Murickan L (ed.) 1989 Poverty in India: Challenges & Responses, Banglore: Xavier board Publication.
9. Sharma Vijay (1994) Protection to women in Matrimonial Home, New Delhi: Deep and Deep Publication.
10. Singh, Amarnath (1990) Child Labour in India, New Delhi: Shipra Publication.
11. Singhvi L.M. (1977) Unemployment problems India, New Delhi: National Publishing House.
12. Srivastava C.P. (2001) Cerruption: India's Enemy within, Delhi ......
13. Taja M.K. (1993) Dowry: A study in attitudes and practices, New Delhi: Inter India Publications.
14. Sharma R. K. (1998) Social Problems and Welfare, Atlantic Publishers: New Delhi.
15. Ahuja, R.M. (2003), Social Problems in India, Rawat Replications: Jaipur.
16. Wilson, Gial (2000), Understanding old age: Critical and Global Proactive: New Delhi: Sage Publications.